ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

20-10-2024

सर्व का सहयोगी बनने के लिए अपने पुराने संस्कारों को मिटाना पड़ता है, जब अपने संस्कार मिटायेंगे तो दूसरे आपको स्वयं ही फालो करेंगे। एक हम, दूसरा बाप। तीसरी बातें देखने में आयेंगी लेकिन देखते हुए भी न देखो, अपने को और बाप को देखो। स्लोगन यही याद रखो -कि ‘‘स्वयं को मिटायेंगे लेकिन सर्व के सहयोगी बनेंगे।”

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

In order to be co-operative with everyone, you have to finish your old sanskars. When you finish your sanskars, others will automatically follow you. One is I, second is the Father and third are the things that you will see, but see and do not see. Only see yourself and the Father. Remember this slogan: I will finish my old sanskars, but I will be co-operative with everyone.